रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-24032020-218878
CG-DL-E-24032020-218878

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1030] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 19, 2020/फाल्गुन 29, 1941
No. 1030] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 19, 2020/PHALGUNA 29, 1941

वस्त्र मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 17 मार्च, 2020

का. आ. 1148(अ).—देश को तकनीकी वस्त्र के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से कुल 1480 करोड़ रुपए के परिव्यय से सृजन के लिए राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन की स्थापना का अनुमोदन किया गया है; इसकी कार्यान्वयन अवधि वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक चार वर्ष की होगी।

तकनीकी वस्त्र क्षेत्र के भविष्य के अनुरूप और अच्छा क्षेत्र है जो एक तरफ कृषि, सड़क, रेलवे मार्ग, स्पोर्ट्सवियर, स्वास्थ्य तो दूसरी तरफ बुलेटप्रूफ जैकेट, अग्निरोधी जैकेट, अधिक ऊंचाई पर युद्धक उपकरण और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए प्रयोग किए जाते हैं।

तकनीकी वस्त्र वे वस्त्र सामग्रियां और उत्पाद हैं जो मुख्य रूप से सौंदर्यपरक विशेषताओं की अपेक्षा तकनीकी कार्य-निष्पादन और कार्यात्मक आवश्यकताओं के लिए निर्मित किए जाते हैं। तकनीकी वस्त्रउत्पादों को उनके अनुप्रयोग के क्षेत्रों के आधार पर 12 व्यापक श्रेणियों में विभाजित किए गए हैं – (एग्रोटेक,बिल्डटेक, क्लाथटेक, जियोटेक, होमटेक, इन्डुटेक, मोबिलटेक, मेडिटेक, प्रोटेक, स्पोर्ट्सटेक, ओइकोटेक, पैकेटेक)।

250 बिलियन अमरीकी डालर के विश्व बाजारमें भारत का हिस्सा लगभग 6% है । तथापि 4% विश्व औसत वृद्धि की तुलना में इस क्षेत्र की वार्षिक औसत वृद्धि 12% है। भारत में तकनीकी वस्त्रों की पहुंच का स्तर

विकसित देशों में 30-70% की तुलना में 5-10% पर कम है। इस मिशन का उद्देश्य देश में तकनीकी वस्त्रों के पहुंच स्तर में सुधार करना है,

इस मिशन के चार घटक होंगे:

घटक-। (अनुसंधान, नवाचार तथा विकास):

यह घटक (i) कार्बन फाइबर, आर्मिडफाइबर, नायलॉन फाइबर, और कम्पोजिट में आधुनिकतम प्रौद्योगिकीय उत्पादों के उद्देश्य से फाइबर स्तर पर मौलिक अनुसंधान और (ii) जियो-टेक्सटाइल, एग्रो-टेक्सटाइल, मेडिकल टेक्सटाइल, मोबाइल टेक्सटाइल और स्पोर्ट्स टेक्सटाइल और बॉयोडिग्रेडेबल तकनीकी वस्त्रों के विकास में अनुप्रयोग आधारित अनुसंधान दोनों का संवर्धन करेगा। इस घटक के लिए कुल परिव्यय 1000 करोड़ रुपए है।

मौलिक अनुसंधान कार्यकलाप पूल्ड रिसोर्स पद्धति पर आधारित होंगी तथा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान (सीएसआईआर) प्रयोगशालाओं, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और अन्य प्रतिष्ठित वैज्ञानिक / औद्योगिक / शैक्षणिक प्रयोगशालाओं के विभिन्न केंद्रों में आयोजित की जाएंगी। अनुप्रयोग आधारित अनुसंधान मिशन संचालन समूह यथाअनुमोदित सीएसआईआर, आईआईटी, भारतीय रेलवे के अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), राष्ट्रीय एँयरोनाटिकल प्रयोगशाला (एनएएल), भारतीय सड़क अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) और ऐसेअन्य प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं में कराए जाएंगे।

अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलाप निम्नलिखित के लिए शुरू किए जाएंगे:-

टी-850 अथवा समान/उच्च दर ग्रेड वाले कार्बन फाइबर का विकास; अरामिड अथवा अन्य सुरक्षात्मक फाइबर और इसके उत्पादों का विकास; नॉयलॉन फाइबर और इसके उत्पादों का विकास; कंपोजिट, जियो टेक्सटाइल्स, एग्रोटेक्सटाइल्स, मेडिकल टेक्सटाइल्स, मोबाइल टेक्सटाइल्स, स्पोर्ट्स टेक्सटाइल्स, घरेलू वस्त्र मशीनरी का विकास और मिशन संचालन समूह द्वारा अनुमोदित कोई अन्य विकसित प्रौद्योगिकीय/वैज्ञानिक अनुसंधान।

घटक-II (संवर्धन और बाजार विकास):

भारतीय तकनीकी वस्त्र क्षेत्र लगभग 16 बिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान है जो 250 बिलियन अमरीकी डॉलर के वैश्वक तकनीकी वस्त्र बाजार का लगभग 6% है। भारत में तकनीकी वस्त्रों की पहुंच का स्तर न्यून है जो विकसित देशों में 30-70% के स्तर की तुलना में 5-10% के बीच है। इस मिशन का उद्देश्य बाजार विकास, बाजार संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी सहयोग, निवेश संवर्धन और 'मेक इन इंडिया' पहल के माध्यम से प्रतिवर्ष 15-20% की औसत वृद्धि प्राप्त करना होगा जिससे घरेलू बाजार का स्तर वर्ष 2024 तक 40-50 बिलियन अमरीकी डॉलर हो जाएगा।

घटक-III (निर्यात संवर्धन):

इस घटक का उद्देश्य तकनीकी वस्त्रों के लगभग 14000 करोड़ रुपये के वर्तमान वार्षिक मूल्य से बढ़ाकर उसका निर्यात संवर्धन करना और 2023-24 तक प्रति वर्ष निर्यात में 10% औसत वृद्धि सुनिश्चित करना है। इस क्षेत्र में प्रभावी समन्वय और संवर्धन गतिविधियों के लिए तकनीकी वस्त्र निर्यात संवर्धनपरिषद का गठन किया जाएगा।

घटक-IV (शिक्षा, प्रशिक्षण, कौशल विकास):

प्रौद्योगिकीय रूप से चुनौतीपूर्ण और तेजी से बढ़ते तकनीकी वस्त्र क्षेत्र को पूरा करने के लिए देश में शिक्षा, कौशल विकास और मानव संसाधन की पर्याप्तता पर्याप्त नहीं है। यह मिशन, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कृषि, जलकृषि और डेयरी क्षेत्रों को शामिल करते हुए तकनीकी वस्त्र और इसके अनुप्रयोग क्षेत्रों से संबंधित उच्च इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी स्तरों पर तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देगा। कौशल विकास को बढ़ावा दिया जाएगा और अपेक्षाकृत

परिष्कृत तकनीकी वस्त्र निर्माण इकाइयों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अत्यधिक कुशल जनशक्ति संसाधनों के पर्याप्त पूल का निर्माण किया जाएगा।

मिशन का फोकस रणनीतिक क्षेत्रों सहित देश के विभिन्न महत्वपूर्ण मिशनों, कार्यक्रमों में तकनीकी वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देनाहोगा। कृषि, जलकृषि, डेयरी, पोल्ट्री आदि जल जीवन मिशन; स्वच्छ भारत मिशन; आयुष्मान भारत में तकनीकी वस्त्रों के उपयोग से लागत मितव्ययता,जल और मृदा संरक्षण भारत में विनिर्माण और निर्यात क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के अलावा प्रति एकड़ भूमिधारक किसानों को बेहतर कृषि संबंधित उत्पादकता और उच्चतर आय सुनिश्चित होगी।राजमार्गों, रेलवे और बंदरगाहों में जियो-टेक्सटाइल का उपयोग किए जाने से अवसंरचना मजबूत होगा, रखरखाव की कम लागत और अवसंरचनापरिसंपत्तियों के जीवन चक्र में वृद्धि होगी।

मिशन द्वारा नवाचार और ऊष्मायन केंद्रों के निर्माण और 'स्टार्ट-अप्स एंड वेंचर्स' को बढ़ावा देने सहित; मिशन द्वारा युवा इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी/विज्ञान मानकों और स्नातकों के बीच नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा।इस प्रकार अनुसंधान नवाचार और विकास गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त ज्ञान के आसान और आकलन योग्य प्रसार के लिए अनुसंधान निष्कर्षों को एक सरकारी “ट्रस्ट” में रखा जाएगा।

अनुसंधान का एक उप-घटक विशेष रूप से एग्रो-टेक्सटाइल्स, जियो-टेक्सटाइल्स और मेडिकल टेक्सटाइल्स के लिए बायो डिग्रेडेबल तकनीकी वस्त्र सामग्रियों के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा।यह चिकित्सा और स्वच्छता संबंधी कचरे के सुरक्षित निपटान पर जोर देने के साथ, प्रयुक्त तकनीकी वस्त्रों के पर्यावरण की दृष्टि के अनुकूल स्तर पर निपटान के लिए उपयुक्त उपकरण भी विकसित करेगा।

'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने और कम पूंजीगत लागत के माध्यम से उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए, तकनीकी वस्त्रों के लिए स्वदेशी मशीनरी और प्रक्रिया उपकरणों के विकास के उद्देश्य से अनुसंधान क्रियाकलाप में एक अन्यमहत्वपूर्ण उप-घटक है।

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन का कार्यान्वयन एक 3-टीयर वाले संस्थागत तंत्र के माध्यम से किया जाएगा जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे:

मिशन संचालन समूह: मिशन संचालन समूह का गठन:

i.	केंद्रीय वस्त्र मंत्री	-	अध्यक्ष
ii.	सदस्य (विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी), नीति आयोग	-	सदस्य
iii.	प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार	-	सदस्य
iv.	सचिव, वस्त्र मंत्रालय	-	सदस्य
v.	सचिव,व्यय विभाग	-	सदस्य
vi.	सचिव, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग	-	सदस्य
vii.	सचिव, कृषि तथा किसान कल्याण मंत्रालय	-	सदस्य
viii.	सचिव, सड़क तथा राजमार्ग मंत्रालय	-	सदस्य
ix.	सचिव, एमएसएमई मंत्रालय	-	सदस्य
x.	सचिव, डीपीआईटीटी	-	सदस्य
xi.	सचिव, भारी उद्योग विभाग	-	सदस्य
xii.	सचिव, एमएसडीई	-	सदस्य

xiii.	सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग	-	सदस्य
xiv.	सचिव, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय	-	सदस्य
xv.	सचिव, जल शक्ति मंत्रालय	-	सदस्य
xvi.	अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड	-	सदस्य
xvii.	सचिव, रक्षा विभाग, आरएंडडी	-	सदस्य
xviii.	महासचिव, फिक्की	-	सदस्य
xix.	महानिदेशक, सीआईआई	-	सदस्य
xx.	अध्यक्ष, भारतीय तकनीकी वस्त्र एसोसिएशन	-	सदस्य
xxi.	वस्त्र मंत्रालय द्वारा नामित किए जाने वाले तीन (3) प्रख्यात वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविद	-	सदस्य
xxii.	तकनीकी वस्त्र उद्योग से दो (2) प्रख्यात व्यक्ति	-	सदस्य
xxiii.	वस्त्र मंत्रालय में संयुक्त सचिव (तकनीकी वस्त्र)	-	संयोजक

अध्यक्ष की अनुमति से और सदस्यों को भी शामिल किया जा सकता है।

मिशन संचालन समूह की शक्तियां: मिशन संचालन समूह को एनटीटीएम के घटकों, कार्यक्रम तथा सभी योजनाओं के संबंध में सभी वित्तीय मानदंडों को अनुमोदित करने के लिए पूर्ण रूप से अधिकार प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा, एनटीटीएम के तहत सभी वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकी अनुसंधान परियोजनाओं को मिशन संचालन समूह के अनुमोदन की आवश्यकता होगी।

अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति:

एनटीटीएम के ईपीसी का गठन निम्नलिखित सदस्यों के साथ किया जा सकता है:

i.	सचिव, वस्त्र मंत्रालय	-	अध्यक्ष
ii.	प्रधान सलाहकार/सलाहकार (प्रभारी एसएंडटी) नीति आयोग	-	सदस्य
iii.	प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के प्रतिनिधि (वैज्ञानिक-छ के स्तर से कम न हो)	-	सदस्य
iv.	एएसएंडएफए, वस्त्र मंत्रालय	-	सदस्य
v.	महानिदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो	-	सदस्य
vi.	महानिदेशक, सीएसआईआर*	-	सदस्य
vii.	महानिदेशक, आईसीएआर*	-	सदस्य
viii.	अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग*	-	सदस्य
ix.	महानिदेशक, डीजीएचएस	-	सदस्य
x.	अपर महानिदेशक, डीआरडीओ	-	सदस्य
xi.	महानिदेशक, केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान	-	सदस्य

xii.	महानिदेशक, आरडीएसओ (रेलवे)	-	सदस्य
xiii.	संयुक्त सचिव, एमएसडीई	-	सदस्य
xiv.	संयुक्त सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग	-	सदस्य
xv.	संयुक्त सचिव, रक्षा उत्पादन विभाग	-	सदस्य
xvi.	संयुक्त सचिव, डीपीआईटीटी	-	सदस्य
xvii.	भारतीय तकनीकी वस्त्र संघ	-	सदस्य
xviii.	महासचिव, फिक्की	-	सदस्य
xix.	महानिदेशक, सीआईआई	-	सदस्य
xx.	प्रसिद्ध वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविद/नीति विशेषज्ञ (वस्त्र मंत्री के अनुमोदन से अधिकतम 4 सदस्य)	-	सदस्य
xxi.	मिशन निदेशक	-	सदस्य
xxii.	संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय	-	सदस्य संयोजक

(* अथवा उनके नामित प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिनिधित्व)

अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति की शक्तियां

अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति अनुसंधान परियोजनाओं को छोड़कर मिशन संचालन समूह द्वारा यथा अनुमोदित प्रत्येक कार्यक्रम की वित्तीय सीमा में सभी परियोजनाओं को अनुमोदित करेगी। ईपीसी मिशन के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन की निगरानी भी करेगी और कार्यान्वयन मामलों पर मिशन निदेशालय का मार्गदर्शन भी करेगा।

<u>अनुसंधान, विकास और नवाचार पर तकनीकी वस्त्र समिति:</u> अनुसंधान, विकास और नवाचार पर तकनीकी वस्त्र समिति का गठन

क)	सदस्य (एसएंडटी) नीति आयोग	-	अध्यक्ष
ख)	प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार	-	उपाध्यक्ष
ग)	थलसेना अध्यक्ष के नीमिती	-	सदस्य
घ)	वायु सेना अध्यक्ष के नामिती	-	सदस्य
ङ)	नौसेना अध्यक्ष के नामिती	-	सदस्य
च)	सचिव, रक्षा अनुसंधान के नामिती	-	सदस्य
छ)	अंतरिक्ष विभाग के सचिव के नामिती	-	सदस्य
ज)	सचिव, परमाणु ऊर्जा विभाग के नामिती	-	सदस्य
झ)	सचिव, गृह मंत्रालय के नामिती	-	सदस्य
ञ)	निदेशक, आईआईटी दिल्ली, नामिती	-	सदस्य
ट)	निदेशक,आईआईटी, मद्रास (एनटीसी, पीडब्ल्यूसी), के नामिती	-	सदस्य
ठ)	मिशन निदेशक	-	संयोजक

समिति का अध्यक्ष अपनी इच्छानुसार मिशन संचालन समूह के अनुमोदन से और अधिक सदस्यों को शामिल कर सकता है।

अनुसंधान, विकास और नवप्रवर्तन पर तकनीकी वस्त्र समिति की शक्तियां

अनुसंधान, विकास और नवप्रवर्तन पर तकनीकी वस्त्र समिति रक्षा, अर्द्धसैनिक, सुरक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों से संबंधित सभी अनुसंधान परियोजनाओं की पहचान करेगी और मिशन संचालन समूह के अनुमोदनार्थ सिफारिश करेगी। इन अनुसंधान, परियोजनाओं के अनुमोदन के बाद समिति मिशन संचालन समूह द्वारा यथा अनुमोदित बजट परिव्यय के भीतर वित्तीय मानदंडों में किसी बदलाव के बारे में अधिकार प्राप्त कार्यक्रम समिति के अनुमोदनार्थ सिफारिश कर सकती है।

मिशन निदेशालय की स्थापनाकार्यक्रम कार्यान्वयन, समन्वय और मानीटरिंग कार्याकलापों के लिए एक मिशन निर्देशक के साथ की गई है, मिशन निदेशालय में मिशन समन्वयकर्ता, संयुक्त मिशन निदेशक (कार्यक्रम क्रियान्वयन), संयुक्त मिशन निदेशक (अनुसंधान, नव प्रवर्तन) उप मिशन निदेशक, परामर्शदाता और विशेषज्ञ शामिल होंगे।

मिशन में इसके लक्ष्य वर्ष अर्थात 2023-24 के पूरा होने के बाद एक समापक खंड होगा।

[फा. सं. 7/2/2019-आर एंड डी]

निहार रंजन दाश, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

RESOLUTION

New Delhi, the 17th March, 2020

S.O. 1148(E).—With a view to position the country as a global leader in Technical Textiles, National Technical Textiles Mission has been approved for creation at a total outlay of Rs.1480 Crore; with a four year implementation period from FY 2020-21 to 2023-24.

Technical Textiles are futuristic and nice segment of textiles, which are used for various applications ranging from agriculture, roads, railway tracks, sportswear, health on one end to bullet proof jacket, fire proof jackets, high altitude combat gear and space applications on other end of spectrum.

Technical textiles are textiles materials and products manufactured primarily for technical performance and functional properties rather than aesthetic characteristics. Technical Textiles products are divided into 12 broad categories (Agrotech, Buildtech, Clothtech, Geotech, Hometech, Indutech, Mobiltech, Meditech, Protech, Sportstech, Oekotech, Packtech) depending upon their application areas.

India shares nearly 6% of world market size of 250 Billion USD. However, the annual average growth of the segment is 12%, as compared to 4% world average growth. Penetration level of technical textiles is low in India at 5-10%, against 30-70% in advanced countries. The Mission aims at improving penetration level of technical textiles in the country.

The Mission will have four components:-

Component -I (Research, Innovation and Development)

Carbon Fibre, Aramid Fibre, Nylon Fibre, and Composites and (ii) application based research in geo-textiles, agro-textiles, medical textiles, mobile textiles and sports textiles and development of bio-degradable technical textiles. The total outlay for this component is Rs.1000 crs.

The fundamental research activities will be based on 'pooled resource' method and will be conducted in various Centre for Scientific & Industrial Research (CSIR) laboratories, Indian Institute of Technology (IIT) and other scientific/ industrial/ academic laboratories of repute. Application based research will be conducted in CSIR, IIT, Research Design & Standards Organisation (RDSO) of Indian Railways, Indian Council of Agricultural Research (ICAR), Defence Research & Development Organisation (DRDO), National Aeronautical Laboratory (NAL), Indian Road Research Institute (IRRI) and other such reputed laboratories, as approved by the Mission Steering Group.

The research & development activists shall undertaken for:- Development of T-850 or equivalent/higher grade Carbon Fibre; Development of Aramid or other protective fibre and its products; Development of Nylon Fibre and its products; Composites; Geo-Textiles, Agrotextiles, Medical Textiles, Mobile Textiles, Sports Textiles; Development of Indigenous Textiles Machinery, and any other advanced technological/scientific research as approved by the Mission Steering Group.

Component –II (Promotion and Market Development)

Indian Technical Textiles segment is estimated at USD 16 Billion which is approximately 6% of the 250 Billion USD global technical textiles market. The penetration level of technical textiles is low in India varying between 5-10% against the level of 30-70% in developed countries. The Mission will aim at average growth rate of 15-20% per annum taking the level of domestic market size to 40-50 Billion USD by the year 2024; through market development, market promotion, international technical collaborations, investment promotions and 'Make in India' initiatives.

Component – III (Export Promotion)

The component aims at export promotion of technical textiles enhancing from the current annual value of approximately Rs.14000 Crore to Rs.20000 Crore by 2021-22 and ensuring 10% average growth in exports per year upto 2023-24. An Export Promotion Council for Technical Textiles will be set up for effective coordination and promotion activities in the segment.

Component- IV (Education, Training, Skill Development)

Education, skill development and adequacy of human resources in the country is not adequate to meet the technologically challenging and fast growing technical textiles segment. The Mission will promote technical education at higher engineering and technology levels related to technical textiles and its application areas covering engineering, medical, agriculture, aquaculture and dairy segments. Skill development will be promoted and adequate pool of highly skilled manpower resources will be created for meeting the need of relatively sophisticated technical textiles manufacturing units.

The Mission will focus on usage of technical textiles in various flagship missions, programmes of the country including strategic sectors. The use of technical textiles in agriculture, aquaculture, dairy, poultry, etc. Jal Jivan Mission; Swatchh Bharat Mission; Ayushman Bharat will bring an overall improvement in cost economy, water and soil conservation, better agricultural productivity and higher income to farmers per acre of land holding in addition to promotion of manufacturing and exports activities in India. The use of geo-textiles in highways, railways and ports will result in robust infrastructure, reduced maintenance cost and higher life cycle of the infrastructure assets.

Promotion of innovation amongst young engineering/ technology/ science standards and graduates will be taken up by the Mission; alongwith creation of innovation and incubation centres and promotion of 'start-up' and 'ventures'. The research output will be reposited with a 'Trust' with the Government for easy and assessable proliferation of the knowledge thus gained through research innovation and development activities.

A sub-component of the research will focus on development of bio degradable technical textiles materials, particularly for agro-textiles, geo-textiles and medical textiles. It will also develop suitable equipment for environmentally sustainable disposal of used technical textiles, with emphasis on safe disposal of medical and hygiene wastes.

There is another important sub-component in the research activity aiming at development of indigenous machineries and process equipment for technical textiles, in order to promote 'Make In India' and enable competitiveness of the industry by way of reduced capital costs.

The National Technical Textiles Mission will get implemented through a 3-tier institutional mechanism constituting as follows;

Mission Steering Group: The Constitution of Mission Steering Group:

i.	Union Minister of Textiles	–	In the Chair
ii.	Member (Science & Technology), NITI Aayog	-	Member
iii.	Principal Scientific Adviser	-	Member
iv.	Secretary, Ministry of Textiles	-	Member
v.	Secretary, Department of Expenditure	-	Member
vi.	Secretary, Department of Science & Technology	-	Member
vii.	Secretary, Ministry of Agriculture & Farmers' Welfare	-	Member
viii.	Secretary, Ministry of Roads Transport & Highways	-	Member
ix.	Secretary, Ministry of MSME	-	Member

x.	Secretary, DPITT	-	Member
xi.	Secretary, Department of Heavy Industries	-	Member
xii.	Secretary, MSDE	-	Member
xiii.	Secretary, Department of Higher Education	-	Member
xiv.	Secretary, Ministry of Health & Family Welfare	-	Member
xv.	Secretary, Ministry of Jal Shakti	-	Member
xvi.	Chairman, Railway Board	-	Member
xvii.	Secretary, Department of Defence, R&D	-	Member
xviii.	Secretary General, FICCI	-	Member
xix.	Director General, CII	-	Member
xx.	Chairman, Indian Technical Textiles Association	-	Member
xxi.	Three (3) Eminent Scientists / Technologist to be nominated by Minister of Textiles	-	Member
xxii.	Two (2) Eminent Persons from Technical Textiles Industry	-	Member
xxiii.	Joint Secretary (Technical Textiles) in MoT	-	Convener

More number of Members may be inducted with permission of the Chair.

Powers of Mission Steering Group**:** The Mission Steering Group is fully empowered to approve all financial norms in respect of all Schemes, Components and Programme of the NTTM. In addition, all scientific / technological research projects under the NTTM shall require approval of the Mission Steering Group.

Empowered Programme Committee: The EPC of NTTM may be constituted with the following members:

i.	Secretary, Ministry of Textiles	-In chair
ii.	Sr. Adviser / Adviser (in charge of S&T) NITI Aayog-	-Member
iii.	Representative of Principal Scientific Adviser (not below rank of Scientist- G)	- Member
iv.	AS&FA, Ministry of Textiles	- Member
v.	Director General, Bureau of Indian Standards	- Member
vi.	Director General, CSIR*	- Member
vii.	Director General, ICAR*	- Member
viii.	Chairman, Central Water Commission*	-Member
ix.	Director General, DGHS	- Member
x.	Additional Director General, DRDO	- Member
xi.	DG, Central Road Research Institute	- Member
xii.	DG, RDSO (Railways)	- Member
xiii.	Joint Secretary, MSDE	- Member
xiv.	Joint Secretary, Deptt. of Higher Education	- Member
xv.	Joint Secretary, Deptt of Defence Production	- Member
xvi.	Joint Secretary, DPITT	- Member
xvii.	Indian Technical Textiles Association	- Member
xviii.	Secretary General, FICCI	- Member
xix.	Director General, CII	- Member
xx.	Eminent Scientists/Technologists/Policy Specialists (up to maximum 4 numbers with approval of the Minister of Textiles)	- Member
xxi.	Mission Director	- Member
xxii.	Joint Secretary, MoT	- Member Convenor

(*or represented by their nominated representatives)

Powers of Empowered Programme Committee: The Empowered Programme Committee(EPC) will approve all projects within the financial limit of each programme as approved by the Mission Steering Group, except Research Projects. The EPC will also monitor the implementations of various components of the Mission and guide the Mission Directorate on implementation matters.

Committee on Technical Textiles on Research, Development & Innovation: The Constitution of Committee on Technical Textiles on Research, Development & Innovation shall be:-

a)	Member (S&T) NITI Aayog	-In Chair
b)	Principal Scientific Adviser	-Co chair
c)	Nominee of Chief of Army Staff	-Member

d)	Nominee of Chief of Air Force Staff	-Member
e)	Nominee of Chief of Navy Staff	-Member
f)	Nominee of Secretary, Defence Research	-Member
g)	Nominee, Secretary, Department of Space	-Member
h)	Nominee, Secretary, Department of Atomic Energy	-Member
i)	Nominee, Secretary, Ministry of Home Affairs	-Member
j)	Nominee, Director, IIT Delhi	-Member
k)	Nominee of Director, IIT, Madras (NTC, PWC)	-Member
l)	Mission Director	-Convenor

The Chairperson of the Committee may add more Members with the approval of Mission Steering Group, as he/she may desire.

Powers of Committee on Technical Textiles on Research, Development & Innovation: The Committee on Technical Textiles on Research, Development & Innovation will identify and recommend all research projects related to strategic sectors such as defence, para-military, security, space, and atomic energy to the Mission Steering Group for approval. After approval of these research projects, any change in financial parameters may be recommended by the Committee to Empowered Programme Committee for approval, within the budget outlay as approved by the Mission Steering Group.

Mission Directorate has been constituted with a Mission Director for programme implementation, coordination and monitoring activities. The Mission Directorate will consist of Mission Coordinator, Joint Mission Director (Programme Implementation), Joint Mission Director (Research, Innovation), Deputy Mission Director, Consultants and Specialists.

The Mission will have a sunset clause after completion of its target year i.e. 2023-24.

[F. No. 7/2/2019-R&D]

NIHAR RANJAN DASH, Jt. Secy.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. MANOJ KUMAR VERMA Digitally signed by MANOJ KUMAR VERMA Date: 2020.03.24 20:24:13 +05'30'